



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 26, 1991/माघ 6, 1912
No. 25] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 26, 1991/MAGHA 6, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 1991

स. एफ. 712/32/90-सी.यू. (त.रो.) :—राष्ट्रपति जी गणपति
दिवस 1991 के अवसर पर सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग
के निम्नलिखित अधिकारियों में से प्रत्येक को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान करते
हैं जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर असाधारण प्रशंसनीय सेवा
की :—

अधिकारियों का नाम और पदनाम

1. श्री डी.सी. मिश्रा,
अधीक्षक,
फार्मेटिंग नियंत्रण ब्यूरो,
नई दिल्ली।
2. श्री आई.एन. रकुसी,
निरीक्षक,
सीमाशुल्क (निवारक) समाहर्तलय,
बंबई।

3. श्री प्रबुल हमीद अहमद सैयद,
अधीक्षक,
सीमाशुल्क (निवारक) समाहर्तलय,
अहमदाबाद।

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए प्रमाण पत्र दिया गया है।

1. श्री डी.सी. मिश्रा, :— 12 जुलाई, 1990 को श्री मिश्रा का
अवस्य साहस और परम कर्तव्यनिष्ठा उस मामले में प्रकाश में आई है
जिसमें श्री मिश्रा और उनके दल के अधिकारियों ने दिल्ली स्थित एक आ-
वासीय परिसर की तलाशी इस सूचना के आधार पर की कि उक्त परिसर
में नशीले द्रव्य छुपाये हुए हैं। श्री मिश्रा ने मकान का दरवाजा
छटखटाया, किंतु मकान के काबिज ने दरवाजा नहीं खोला तथा वहाँ से
बच कर भाग निकलने की कोशिश की। श्री मिश्रा दुरस्त साथ वाले मकान
की सीढ़ियों से चढ़ कर छत पर गये। जब उन्होंने यह देखा कि व्यक्ति
उक्त परिसर से भाग रहे हैं तो श्री मिश्रा ने अपनी जान की परवाह
न करके छत की विभाजक दीवार पर चढ़ गये और उक्त मकान की छत
पर कूद पड़े जिसकी तलाशी सी.आई.पी. की और 4.5 करोड़ रुपये मूल्य
की निषिद्ध हेरोइन बरामद की तथा साथ-ही भागने वाले व्यक्तियों में से
एक व्यक्ति का पीछा करके उसे गिरफ्तार कर लिया। अस्तुतः छत से
गिरने पर श्री मिश्रा के पैर की हड्डी टूट गयी।

2. श्री झाई. एन. रचुती :—श्री रचुती को दिनांक 15/16 जून, 1990 को बलाये गये अभियान में उनके द्वारा मवा की गयी भूमिका के लिए पुरस्कार दिया गया है। इस रात को श्री रचुती ने बांदी की तस्करी के बारे में मिली सूचना के आधार पर अनुवर्ती कार्यवाही करते हुए 2 सिपाहियों और 8 कर्मियों के सहित एक नाव पर समुद्र की गश्त करने हेतु चल दिये, यहाँ तक कि उस दिन मौसम अच्छा नहीं था और समुद्र में तूफान आया हुआ था। एक या दो घंटे के अंदर मौसम बहुत खराब हो गया और वर्षा भी शुरू हो गयी थी। नाव को कुछ क्षति पहुँची और इंजन भी जवाब देने लगा तथा जलयान डूबने को था। श्री रचुती ने बायरलैस पर कार्यालय से सहायता मांगी। किन्तु अंधेरा होने और खराब मौसम के कारण कोई सहायता नहीं दी जा सकी। तब श्री रचुती ने समुद्र में एक बेटा (रैफ्ट) छोड़ा और अपने साथियों सहित उसमें कूद पड़े और इससे पूर्व कि मछली पकड़ने वाला एक जलयान उन्हें बचाता, वे लगभग 14 घंटे तक तूफानी समुद्र में रहे। यह सूचित किया गया है कि वह अपने दल में एकमात्र अधिकारी थे जिसका मनोबल बना हुआ था और अपने साथियों का मनोबल भी बनाये रखा। अतः श्री रचुती ने एक अदम्य साहस और परम कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।

3. श्री अब्दुलहमीद अहमद सायद :—श्री सायद के अदम्य साहस और उनकी कर्तव्यनिष्ठा उस मामले में प्रकाश में आई है जिसमें उन्होंने दिनांक 19-1-1990 को "अल खालिज" नामक एक जलयान से 5.60 करोड़ रुपये मूल्य की 7893,991 कि.ग्रा. चांदी के 250 स्लेबों का अभिग्रहण किया। श्री सायद ने तीव्र गति से दौड़ रहे 240 अश्व शक्ति, 6 सिलेंडर "यान्मार" इंजन वाले एक जलयान को देखा और उसका पीछा किया। पीछा करते समय, जलयान को रोकने के लिए 150 राउन्ड गोशियाँ चलाई गयी थीं। तथापि, श्री सायद ने पीछा नहीं छोड़ा और अपने विभागीय लांच की गति बढ़ा दी। जब पीछा किये जाने वाले जलयान के कमीन के सदस्य ने यह महसूस किया कि उनके पकड़े जाने की संभावना है, उन्होंने फाइबर टॉनी नाव समुद्र में छोड़ दी जिस पर एक आउटबोर्ड इंजन लगा हुआ था और जिस जलयान पर वे चढ़े हुए थे उसे अपनी हुई हालत में रहने दिया और उक्त टॉनी नाव से बचकर भाग निकलने की कोशिश की। श्री सायद ने सूझ-बूझ का परिचय देते हुए स्थिति को संभाला और टॉनी नाव का पीछा किया तथा कर्मियों के सभी सदस्यों को पकड़ लिया। तत्पश्चात्, जो जलयान बिना संचालन के तीव्र गति से अभियंता इधर-उधर भाग रहा था उसका पीछा किया और उसे अपने काबू में किया। इस संकुल युद्ध में उनके कर्मियों का एक सदस्य समुद्र में गिर गया। उस स्थिति में भी श्री सायद ने जबर्दस्त सूझ-बूझ का परिचय देते हुए उसे बचा लिया।

2. ये पुरस्कार सीमाशुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने संबंधी उस योजना के पैरा 1 के खंड क(i) के अंतर्गत दिये गये हैं जो भारत के राजपत्र असाधारण, भाग 1, खंड 1 में दिनांक 5 नवम्बर, 1962 के समय-समयपर अधिसूचित अधिसूचना संख्या 12/139/59-असा. 3ख के अंतर्गत प्रकाशित की गयी थी।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 26th January, 1991

F. No. 712/32/90-Cus. (AS).—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1991, to award an Appreciation Certificate to each of the undermentioned officers of the Customs and Central Excise Department for exceptionally meritorious service rendered by them when undertaking a task even at the risk of their lives :

Name of the Officers and rank

1. Shri D. C. Misra,
Superintendent,
Narcotics Control Bureau,
New Delhi.
2. Shri I. N. Rachuti,
Inspector,
Collectorate of Customs (Preventive),
Bombay.
3. Shri Abdulhamid Ahmed Saiyed,
Superintendent,
Collectorate of Customs (Preventive),
Ahmedabad.

Statement of services for which the Certificates have been awarded

1. Shri D. C. Misra.—His exemplary courage and devotion to duty has been brought out in a case detected on 12th July, 1990 in which Shri Misra alongwith the team of officers conducted a search of a residential premises at Delhi on information that drug was secreted in the premises. Shri Misra knocked the door of the house and the occupant did not respond to the call and tried to escape. Shri Misra rushed to the roof top making use of the stairs of the adjoining house. When he noticed the persons were fleeing from the premises, without caring for his personal safety Shri Misra climbed over the dividing walls and jumped on to the roof of the house which was to be searched and recovered contraband heroin worth Rs. 4.5 crores and also chased and arrested one of the fleeing persons. In fact, during the fall from the roof Shri Misra suffered multiple fracture on his foot.

2. Shri I. N. Rachuti.—Shri Rachuti has been awarded for the role played by him in an operation which took place on 15/16 June, 1990. On this night Shri Rachuti embarked on sea patrol with 2 Sepoys and 8 crew members in a boat to work out an information about smuggling of silver, even though the weather was not good and the sea was rough. Within an hour or two the weather became strong and had also started raining. Some damage occurred to the boat and the engine became non-operational and the vessel started sinking. Shri Rachuti sought assistance from the office over wireless. But no assistant could be provided due to poor visibility and bad weather. Shri Rachuti then lowered a small raft into the sea and jumped on it alongwith all his colleagues and remained in the rough sea for almost 14 hours before being rescued by a fishing vessel. It is reported that he was only the officer in his group who remained in high spirit and motivated his juniors not to lose heart. Shri Rachuti therefore has displayed exemplary courage and devotion to duty.

3. Shri Abdulhamid Ahmed Saiyed.—His exemplary courage and devotion to duty has been brought out in the case detected on 19-1-90 resulting in the seizure of 250 slabs of silver weighing 7893.991 kgs. valued at Rs. 5.60 crores from a vessel 'Al Khaliji'. Shri Saiyed spotted and chased one vessel fitted with 240 HP, 6 cylinder "Yanmar" engine running at its full speed. During the chase 150 rounds were fired to stop the vessel. Shri Saiyed, however, did not give up the chase and increased the speed of the departmental launch.

When the crew of the vessel realised their likely apprehension, they lowered a fibre tony boat fitted with an outboard engine and leaving the vessel in running condition, tried to escape in the said tony boat. Shri Saiyed handled the situation with utmost presence of mind and chased the tony boat and apprehended all the crew members. Thereafter, he chased the vessel which was unmanned and running in its full speed in a zig-zag manner and intercepted the same. In the melee one of the crew members fell into the sea. At this stage also Shri Saiyed exhibited great presence of mind and got him rescued.

2. These awards are made under clause a(i) of Para 1 of the scheme governing the grant of awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Departments, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India Extraordinary vide Notification No. 12/139/59-Ad. IIB dated the 5th November, 1962 as amended from time to time.

सं. 712/32/90-सी०शु० (सस्करी-रोधी) :—राष्ट्रपति जी, गणतन्त्र दिवस, 1991 के अवसर पर सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों में से प्रत्येक को उनकी उल्लेखनीय विशिष्ट सेवा के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान करते हैं :—

1. श्री एन. राजा,
भ्रायुक्त, कर अनुसंधान,
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग,
नई दिल्ली ।
2. श्रीमती विजय जुल्ही,
संयुक्त मुख्य विभागीय प्रतिनिधि,
सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, स्वर्ण (निबंधन)
अपराध अधिकरण, नई दिल्ली ।
3. श्री एस० जी० अरघानी,
उपनिदेशक,
नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो,
मद्रास ।
4. श्री बी. के. गुप्ता,
अतिरिक्त समाहर्ता, सीमा शुल्क,
दिल्ली ।
5. श्री पी. एन. बित्तल दास,
अतिरिक्त समाहर्ता, सीमाशुल्क, (निवारक)
अहमदाबाद ।
6. श्री के. एस. नायर,
उप निदेशक,
राजस्व भ्रासूचना निदेशालय,
मद्रास ।
7. श्री अनिल बटनागर,
निदेशक,
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग,
नई दिल्ली ।
8. श्री सुमित दत्त मजुमदार,
अतिरिक्त समाहर्ता, सीमाशुल्क,
बम्बई ।
9. श्री एस. के. गोयल,
उप निदेशक,
नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो,
नई दिल्ली ।
10. श्री आर. के. गुप्ता,
उप निदेशक,
अपवचन-रोधी निदेशालय,
नई दिल्ली ।
11. श्री हरि प्रेम तिवारी,
उप निदेशक,
अपवचन-रोधी निदेशालय,
नई दिल्ली ।
12. श्री वाई. जी. परांडे,
उप निदेशक,
राजस्व भ्रासूचना निदेशालय,
नई दिल्ली ।
13. श्री ए. डब्ल्यू. कारखानिस,
सहायक निदेशक,
राजस्व भ्रासूचना निदेशालय,
नई दिल्ली ।
14. श्री एम. हरिदासन,
वरिष्ठ भ्रासूचना अधिकारी,
अपवचन-रोधी निदेशालय,
मद्रास ।
15. श्री ए. राधाकृष्ण मरार,
वरिष्ठ भ्रासूचना अधिकारी,
अपवचन-रोधी निदेशालय,
मद्रास ।
16. श्री के. के. वरियार,
अधीक्षक,
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय,
बंगलौर ।
17. श्री एस. के. कापड़ी,
अधीक्षक,
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय,
गुदूर ।
18. श्री बी. आर. कुलकर्णी,
वरिष्ठ भ्रासूचना अधिकारी,
राजस्व भ्रासूचना निदेशालय,
बम्बई ।
19. श्री एस. एम. सावन्त,
अधीक्षक,
नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो,
बम्बई ।
20. श्री यू. राजकुमारन्,
मूल्यांकक,
सीमा शुल्क समाहर्तालय,
बम्बई ।
21. श्री आर. एल. लाम्बा,
अधीक्षक,
सीमा शुल्क समाहर्तालय,
दिल्ली ।

22. श्री बी. प्ररुप दास,
आसूचना, अधिकारी,
अपवर्धन-रोधी निदेशालय,
मद्रास ।
23. श्री ए. बी. सोलंकी,
आसूचना अधिकारी,
राजस्व आसूचना निदेशालय,
बम्बई ।
24. श्री गुलाम मोहम्मद शेख,
आसूचना अधिकारी,
राजस्व आसूचना निदेशालय,
बम्बई ।
25. श्री ए. के. भट्टाचार्य,
आसूचना अधिकारी,
राजस्व आसूचना निदेशालय,
कलकत्ता ।
26. श्री पी. एम. आस्करुण नायर,
निवारक अधिकारी,
सीमा शुल्क समाहृतलय,
बम्बई ।
27. श्री पी. जी. जय्यामी,
निरीक्षक,
सीमा शुल्क समाहृतलय,
बम्बई ।

2. वे पुरस्कार सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार देने सम्बन्धी उस योजना के खण्ड (क) (i) के अन्तर्गत दिए जाते हैं जो भारत के राजपद, अधिनियम के भाग-1, खण्ड-1 में 5 नवम्बर, 1962 की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. 12/139/59-प्रशा -iii (ख) के अन्तर्गत प्रकाशित की गई थी ।

आर. वेकटरामन, अवर सचिव

No. 712/32/90-Cus (AS).—The President is pleased, on the occasion of Republic Day, 1991, to award an Appreciation Certificate for specially distinguished record of service to each of the undermentioned officers of the Customs and Central Excise Department:—

1. Shri N. Raja,
Commissioner Tax Research,
Central Board of Excise & Customs
Department of Revenue,
New Delhi.
2. Smt. Vijay Zutsi,
Joint Chief Departmental Representative
Customs Excise Gold (Control)
Appellate Tribunal,
New Delhi.
3. Shri S. G. Avadhani,
Deputy Director,
Narcotics Control Bureau,
Madras.
4. Shri B. K. Gupta,
Additional Collector of Customs,
Delhi.

5. Shri P. N. Vittal Das,
Additional Collector of
Customs (Preventive),
Ahmedabad.
6. Shri K. S. Nair,
Deputy Director,
Directorate of Revenue Intelligence,
Madras.
7. Shri Anil Bhatnagar,
Director,
Central Board of Excise & Customs,
Department of Revenue,
New Delhi.
8. Shri Sumit Dutt Majumdar,
Additional Collector of Customs,
Bombay.
9. Shri S. K. Goel,
Deputy Director,
Narcotics Control Bureau,
New Delhi.
10. Shri R. K. Gupta,
Deputy Director,
Directorate of Anti Evasion,
New Delhi.
11. Shri Hariom Tiwari,
Deputy Director,
Directorate of Anti Evasion,
New Delhi.
12. Shri Y. G. Parande,
Deputy Director,
Directorate of Revenue Intelligence,
New Delhi.
13. Shri A. W. Karkhanis,
Assistant Director,
Directorate of Revenue Intelligence,
New Delhi.
14. Shri M. Haridasan,
Senior Intelligence Officer,
Directorate of Anti Evasion,
Madras.
15. Shri A. Radhakrishna Marar,
Senior Intelligence Officer,
Directorate of Anti Evasion,
Madras.
16. Shri K. K. Varrier,
Superintendent,
Collectorate of Central Excise,
Bangalore.
17. Shri S. K. Kapardi,
Superintendent,
Collectorate of Central Excise,
Guntur.
18. Shri V. R. Kulkarni,
Senior Intelligence Officer,
Directorate of Revenue Intelligence,
Bombay.

19. Shri S. M. Sawant,
Superintendent,
Narcotics Control Bureau,
Bombay.
20. Shri U. Rajkumaran,
Appraiser,
Collectorate of Customs,
Bombay.
21. Shri R. L. Lamba,
Superintendent,
Collectorate of Customs,
Delhi.
22. Shri D. Aroop Dass,
Intelligence Officer,
Directorate of Anti Evasion,
Madras.
23. Shri A. B. Solanki,
Intelligence Officer,
Directorate of Revenue Intelligence,
Bombay.
24. Shri Gulam Mohd. Shaikh,
Intelligence Officer,
Directorate of Revenue Intelligence,
Bombay.

25. Shri A. K. Bhattacharyya,
Intelligence Officer,
Directorate of Revenue Intelligence,
Calcutta.
26. Shri P. M. Bhaskaran Nair,
Preventive Officer,
Collectorate of Customs,
Bombay.
27. Shri C. G. Jagiasi,
Inspector,
Collectorate of Customs,
Bombay.

2. These Awards are made under clause (a) (ii) of Para I of the Scheme governing the grant of Awards to the officers and staff of the Customs and Central Excise Department, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India Extraordinary Notification No. 12/139/59/Ad.III(B) dated the 5th November, 1962 as amended from time to time.

R. VENKATARAMAN, Under Secy.

